DailyBalodNews

(यह डेली बालोद न्यूज का ई प्रिंट है, खबरों और विज्ञापन प्रकाशन हेतु वॉट्सएप करें 9755235270 पर) www.dailybalodnews.com

कविता/गीत कॉलम

पावन परब जुड़वास

आगे महीना अषाढ़ ओ दाई...
पावन परब जुड़वास के
घन अंधियारी बीतगे ओ दाई...
पुन्नी के चंदा पुनवास के

तरिया के पारे लीम के छंइहा, गदहा मा आसन लगाये
शीतल रूप तोर शीतला मइय्या, ममता के अचरा ओढ़ाये
गर्मी के जाती बरसा के आती, गांव जुड़वास मनाये
ढोल नंगारा झांझ मंजीरा, तोर अंगना मा सुनाये
दया मया बरसादे ओ दाई...
करथंव जोरा चौमास के
आगे महीना अषाढ़ ओ दाई...
पावन परब जुड़वास के

चारधाम के तैं सिरजइय्या, सेउक सेवा बजावय
कारी कोयलिया पड़की परेवना, सेवा जस तोर गावय
सात बहिनिया तोर जहुंरिया, संगे मा शोभा बढ़ावय
तीर मा बिराजे ठाकुर देवता,जग ला पोसे पालय
बाधा बिघन ला टारे ओ दाई...
सगरो भगत के हांस के
आगे महीना अषाढ़ ओ दाई...
पावन परब जुड़वास के

कोठी डोली ल सबके भरे तै, ममता के हाथ लमाये
छोट बड़े अउ दीन दुखारी, जेन शरन तोर आये
धन - धन होगे जिनगी ह मइय्या, तोसन दरसन पाये
नर अउ नारी भगत परानी, भाग अपन सँहराये
चंदन बंदन फूल दसमत हे....
तीरथ बरथ उपवास के
आगे महीना अषाढ़ ओ दाई...
पावन परब जुड़वास के

गीतकार: तोषण चुरेन्द्र दिनकर
धनगांव डौंडी लोहारा बालोद छत्तीसगढ़
9575070689,6267538036

मिलेगी राहत : भू-जल में समस्या वाले गांवों में पेयजल के लिए मल्टी-विलेज योजना, बालोद सहित 18 जिलों को मिलेगा फायदा
4527 करोड़ रुपए लागत की 71 मल्टी-विलेज योजनाओं का काम शुरू

जल जीवन मिशन के तहत 3234 गांवों में पहुंचाया जाएगा नदी का पानी, 10 लाख से अधिक परिवारों को मिलेगा मीठा जल

बालोद/रायपुर | प्रदेश में भू-जल में समस्या वाले गांवों में पेयजल आपूर्ति के लिए जल जीवन मिशन के तहत मल्टी-विलेज योजना (Multi-Village Scheme) शुरू की जा रही है। खारे पानी, भू-जल में भारी तत्वों की मौजूदगी या जल स्तर के ज्यादा नीचे चले जाने की समस्या से जूझ रहे गांवों में इन योजनाओं के माध्यम से नदी का मीठा पानी पहुंचाया जाएगा। कुल 4527 करोड़ रुपए की लागत से राज्य के 18 जिलों में 71 मल्टी-विलेज योजनाओं का काम प्रारंभ हो चुका है। इन योजनाओं के माध्यम से 3234 गांवों में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जाएगी। इन गांवों के दस लाख से अधिक घरों में पाइपलाइन के जरिए स्वच्छ व सुरक्षित पेयजल पहुंचाया जाएगा। उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्री अरुण साव ने सभी मल्टी-विलेज योजनाओं में गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए सभी कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं, जिससे लोगों तक यथाशीघ्र साफ पेयजल पहुंच सके।

राज्य के अनेक जिलों में नलकूपों के गिरते हुए जल स्तर के कारण गर्मी के दिनों में पेयजल की समस्या आती है। ऐसे गांवों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत सिंगल-विलेज योजनाओं के लिए सफल पेयजल स्त्रोतों की कमी को देखते हुए सतही स्त्रोत पर आधारित मल्टी-विलेज योजनाएं बनाई गई हैं। राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन के माध्यम से प्रदेश में 71 मल्टी-विलेज योजनाओं की स्वीकृति दी गई है। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के निर्देश पर सभी योजनाओं के अवयवों की ड्राइंग एवं डिजाइन की चेकिंग राष्ट्रीय स्तर पर सुविख्यात आई.आई.टी. एवं एन.आई.टी. (Indian Institute of Technology & National Institute of Technology) के माध्यम से कराए जा रहे हैं।

जल जीवन मिशन के तहत इन मल्टी-विलेज योजनाओं में स्थानीय नदी पर निर्मित एनीकट, बांध एवं नहर के पानी का उपयोग किया जाएगा। जल संग्रहण के लिए इंटेकवेल तथा जल शुद्धिकरण के लिए वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत उच्च स्तरीय एम.बी.आर. (Master Balance Reservoir) भी बनाए जा रहे हैं। इंटेकवेल से वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तक डी.आई. पाइप रॉ वाटर पम्पिंग मेन तथा ट्रीटमेंट प्लांट से एम.बी.आर. तक क्लियर वाटर पम्पिंग मेन बिछाए जा रहे हैं। एम.बी.आर. के माध्यम से योजना से लाभान्वित होने वाले गांवों में निर्मित उच्च स्तरीय टंकियों तक पेयजल पहुंचाने के लिए डीआई/ओ-पी.वी.सी. पाइपलाइन भी बिछाए जा रहे हैं। इन योजनाओं का काम पूर्ण करने के लिए ठेकेदारों को 12 महीने का समय दिया गया है।

उप मुख्यमंत्री श्री साव के निर्देश पर कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और योजनाओं को समय-सीमा में पूर्ण कराने के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के मुख्य अभियंता एवं अधीक्षण अभियंता तथा जल जीवन मिशन के वरिष्ठ अभियंताओं द्वारा कार्यस्थलों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। इस दौरान योजनाओं में प्रयोग की जा रही सामग्रियों, उपकरणों एवं आर.सी.सी. के कार्यों में गुणवत्ता नियंत्रण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। मल्टी-विलेज योजनाओं में प्रयुक्त होने वाली सभी सामग्रियों एवं उपकरणों की गुणवत्ता की जांच (टेस्टिंग) के लिए थर्ड पार्टी इन्सपेक्सन (Third Party Inspection) भी कराए जा रहे हैं।

18 जिलों के 3234 गांवों को मिलेगा साफ पेयजल

जल जीवन मिशन के अंतर्गत मल्टी-विलेज योजनाओं के माध्यम से 18 जिलों के 3234 गांवों में जलापूर्ति की जाएगी। इनमें रायगढ़ जिले के 396, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही के 16, कोरबा के 245, जांजगीर-चांपा के 32, राजनांदगांव के 393, महासमुंद के 48, कबीरधाम के 31, गरियाबंद के नौ, बिलासपुर के 93, सूरजपुर के 413, मुंगेली के 240, दुर्ग के 201, बलौदाबाजार-भाटापारा के 192, बेमेतरा के 219, कोरिया के 292, बालोद के 148, सरगुजा के 190 और धमतरी जिले के 76 गांव शामिल हैं।

किस जिले में कितनी योजनाएं ?

जल जीवन मिशन के तहत प्रदेश भर में अभी कुल 71 मल्टी-विलेज योजनाएं मंजूर की गई हैं। इनमें सूरजपुर जिले की 11, कोरिया की दस, दुर्ग की सात, बलौदाबाजार-भाटापारा और रायगढ़ की छह-छह, बालोद, सरगुजा, राजनांदगांव और बिलासपुर की चार-चार, बेमेतरा की तीन, धमतरी, मुंगेली, कबीरधाम और जांजगीर-चांपा की दो-दो तथा गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, कोरबा, महासमुंद और गरियाबंद जिले की एक-एक योजनाएं शामिल हैं। इन योजनाओं से कुल दस लाख 445 परिवार लाभान्वित होंगे।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी की अपील, ईमानदारी से करें टैक्स का भुगतान, वरना कार्रवाई के लिए रहिये तैयार

रायपुर/बालोद| राज्य मे पिछले कुछ वर्षों मे जिलों मे डीएमएफ मद से बड़ी संख्या मे निर्माण कार्य और सामाग्री क्रय किया गया है परंतु जितना व्यय शासन द्वारा किया गया है उस अनुपात मे शासन को जीएसटी नहीं मिला है। स्टेट जीएसटी मे गठित किए गए बिजनेस इंटेलिजेंस यूनिट के द्वारा ए आई आधारित आई टी टूल्स का प्रयोग कर ऐसे व्यवसायियों का एनालिसिस किया जा रहा है जिनके द्वारा शासकीय सप्लाइ तो किया गया है पर जीएसटी नहीं पटाया गया है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी के निर्देश पर ऐसे मामलों में लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी तारतम्य में विगत दिनों कुछ व्यवसायियों की जांच कर उनसे टैक्स जमा करवाया गया। केशकाल के भारत इन्फ्रा नाम के व्यवसायी के प्रकरण में 91 लाख रु. और रायपुर के श्री कृष्ण इंटर प्राइजेस मे 2.5 करोड़ रु की कर चोरी पकड़ी गई है इसमे से 1.75 करोड़ रु.टैक्स विभाग ने वसूल कर किया है। इसी तरह का एक और मामला हार्टीकल्चर विभाग मे भी पकड़ा गया है जिसमे शेड नेट सप्लाइ करने वाली कंपनी किसान एग्रोटेक को विभाग ने नोटिस दिया है। इस प्रकार की कर चोरी करने वाले व्यवसायी अक्सर अपनी टैक्स लाईबिलिटी कम दिखाने के लिए बोगस बिलों पर आई टी सी क्लेम करते हैं परंतु यह भूल जाते हैं कि अब विभाग के पास ऐसे कई आई टी टूल्स हैं जिनके कारण इस तरह के मामलों मे बच निकलना कठिन है। राज्य कर विभाग के द्वारा लगातार व्यवसायियों की बैठक लेकर उन्हे जागरूक भी किया जा रहा है कि कर देयता से बचने का कोई शॉर्टकट न अपनाएं। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने भी व्यापारियों से अपील की है की वो ईमानदारी से अपने टैक्स का भुगतान करें।

(विज्ञापन पन्ना)
डेली बालोद न्यूज में कम दर पर विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
9755235270 पर, दो महीने तक प्रकाशन की पाए विशेष सुविधा

"बालदेवो भव:"

प्रवेश प्रारंभ 15 अप्रैल से जारी

चुनें.... अपने पाल्य/पाल्या की सर्वोत्तम शिक्षा-दीक्षा के लिए
बालोद नगर का श्रेष्ठ हिन्दी माध्यम निजी विद्यालय

प्रवेश प्रारंभ 15 अप्रैल से जारी

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली एवं सरस्वती शिक्षा संस्थान, रायपुर से संबद्ध
गंगा मैय्या बाल कल्याण समिति, बालोद द्वारा संचालित-पंजीयन क्र.2507

सरस्वती शिशु मंदिर उच्च, माध्य. विद्यालय, बालोद (छ.ग.)

सरयू प्रसाद अग्रवाल स्टेडियम के सामने
गंजपारा बालोद(छग)
कक्षा अरुण एवं उदय (पूर्व प्राथमिक) से द्वादशी तक हिन्दी माध्यम
(गणित संकाय, विज्ञान संकाय, कृषि संकाय)

हमारी विशेषताएं

* संस्कारक्षम वातावरण, न्यूनतम शुल्क व्यवस्था।
* आचार्यों का नियमित उन्मुखीकरण प्रशिक्षण।
* विद्यालयारंभ में संगीतमय प्रार्थनाओं भरा आध्यात्मिक वातारण निर्माण।
* प्रतिमाह मासिक सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन।
* संस्थान द्वारा पृथक से शैक्षिक, बौद्धिक, शारीरिक व सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन
* शासन द्वारा प्रदत्त सभी प्रकार की छात्रवृत्तियां व नि:शुल्क पाठयपुस्तकों का लाभ।
* एन.एस.एस., स्काउटिंग-गाइडिंग, रेडक्रास दलों का संचालन।
* आचार्यों द्वारा सतत् अभिभावक संपर्क एवं विद्यार्थी के शैक्षिक विकास पर चर्चा।
* कम्प्यूटर-शिक्षा * शिशु वाटिका में खेलयुक शिक्षा-सुविधा।
* संगीत एवं योगशिक्षा प्राचीन वैदिक गणित-पद्धति का ज्ञान।

हमारे उद्देश्य

* बालक का शैक्षिक, चारित्रिक, नैतिक, शारीरिक सहित सर्वांगीण विकास
* गुणवत्तापूर्ण शिक्षा चरित्र-निर्माण
* आध्यात्मिक एवं राष्ट्रीय चेतना का विकास
* संस्कार एवं संस्कृति की शिक्षा
* राष्ट्रवाद में ओत-प्रोत भावी पौढ़ी का निर्माण

हमारे संसाधन

* सर्व सुविधायुक्त एवं सुसज्जित स्वयं का भवन
* प्रशिक्षित योग्य एवं अनुभवी आचार्य
* पुस्तकालय
* विस्तृत खेल मैदान
* पृथक-पृथक विज्ञान प्रयोगशालाएं

अधिक संपर्क करें:
9407937466 (विद्यालय),
8982020966 (व्यवस्थापक),
9425554511 (कोषाध्यक्ष)
Email-ssm.balod@gmail.com

Daily Balod News ADV.

छत्तीसगढ़ में मनरेगा के अंतर्गत 4 साल का टूटा रिकार्ड

विगत 6 माह में 10 करोड़ 93 लाख मानव दिवस सृजित, 1 लाख 73 हजार निर्माण कार्य पूर्ण

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं मंत्री पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग श्री विजय शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में नियद नेल्लानार योजनान्तर्गत माओवाद प्रभावित इलाके के 87 ग्रामों को चिन्हित कर मनरेगा योजना से वृहद पैमाने पर कार्यों की स्वीकृति कर नियमित रोजगार के अवसर मुहैया कराए जा रहे हैं,जिससे उक्त अंदरूनी क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर ग्रामीणों को रोजगार सुलभ हो रहा है। मनरेगा अंतर्गत वनाधिकार पट्टाधारी परिवारों को हितग्राही मूलक कार्यों के माध्यम से जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का सकारात्मक प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए प्रदेश स्तर से विभागीय अधिकारियों को नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में मनरेगा को रोजगार सृजन के साथ आजीविका संवर्धन हेतु दूरगामी मंशा के अनुरूप कार्यान्वयन के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है। इस दिशा में नियमित समीक्षा और राज्य स्तर से बेहतर क्रियान्वयन रणनीति का परिणाम है कि मनरेगा नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

| रायपुर/बालोद....

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ ने फिर से विकास की रफ्तार पकड़ ली है। इसी का परिणाम है कि छत्तीसगढ़ में मनरेगा के अंतर्गत 4 साल का रिकार्ड टूटा है। छत्तीसगढ़ में मनरेगा न सिर्फ मजदूरों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करा रहा है बल्कि उनके जीवन में व्यापक बदलाव भी ला रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना) के क्रियान्वयन में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में माह अप्रैल में 2 करोड़ 57 लाख तथा माह मई में 3 करोड़ 15 लाख रोजगर सृजित हुआ इसप्रकार मई तक 5 करोड़ 82 लाख से अधिक मानव दिवस का रोजगार सृजन कर विगत चार वित्तीय वर्ष के माह अप्रैल और मई में हुए सृजित मानव दिवस का आंकड़ा प्राप्त कर नई उपलब्धि हासिल की है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में मई माह तक 4 करोड़ 81 लाख, वर्ष 2022-23 में मई माह तक 1 करोड़ 19 लाख, वर्ष 2023-24 में मई माह तक 4 करोड़ 49 लाख तथा 2024-25 में मई माह तक 5 करोड़ 72 लाख रोजगार का सृजन हुआ है। मनरेगा अंतर्गत विगत 6 माह में 10 करोड़ 93 लाख मानव दिवस सृजित हुआ वही 1 लाख 73 हजार निर्माण कार्य पूर्ण हुआ।

प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों में अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक आजीविका संवर्धन एवं रोजगार की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। ग्रामीण श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने के साथ ही जल संरक्षण की दिशा में भी कार्य किए जा रहे हैं। अमृत सरोवर के निर्माण में प्रतिदिन लगभग 59 हजार से अधिक श्रमिकों को रोजगार मिल रहा है, जो देशभर में सर्वाधिक है। अमृत सरोवर के क्रियान्वयन में प्रदेश के कार्यों का केंद्र स्तर पर सराहना की गई है। आगामी चार वर्षों में 8966 ग्राम पंचायतों में अमृत सरोवर निर्माण करने का लक्ष्य रखा गया है। इस तरह राज्य के प्रत्येक ग्राम पंचायतों को इस योजना से लाभान्वित किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने सभी नगरीय निकायों में बिजली बिल और एनर्जी ऑडिट के दिए निर्देश

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने राज्य के सभी 184 नगरीय निकायों में बिजली बिल और एनर्जी ऑडिट के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यथासंभव पारंपरिक ऊर्जा के स्थान पर सौर ऊर्जा का उपयोग करने को कहा है। उन्होंने नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि अधिकांश निकायों में इस मद में राशि के अभाव के कारण समय पर बिजली के बिल का भुगतान नहीं किया जाता है। इससे नगरीय निकायों और विभाग को हर वर्ष अनावश्यक ही सरचार्ज व एरियर्स की राशि के रूप में बिजली विभाग को अतिरिक्त राशि का भुगतान करना पड़ता है। ऊर्जा और बिजली बिल के ऑडिट से इनकी बचत के उपाय करने में सहूलियत होगी। श्री साव ने बिजली बचाने और इसके खर्च में कमी लाने के लिए नगरीय निकायों में पारंपरिक ऊर्जा के बदले ग्रीन एनर्जी के उपयोग को बढ़ावा देने को कहा है। इससे निकायों का खर्च घटने के साथ ही पर्यावरण भी सुधरेगा। उप मुख्यमंत्री ने चरणबद्ध तरीके से एनर्जी ऑडिट का कार्य थर्ड पार्टी प्रोफेशनल एजेंसीज से कराने के निर्देश दिए हैं।

शहरी क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति और स्ट्रीट लाइटिंग जैसी विभिन्न जन सुविधाओं के संचालन के लिए नगरीय निकायों मे बड़ी संख्या में विद्युत कनेक्शन लिए गए हैं। विद्युत विभाग द्वारा प्रदेश के सभी 184 नगरीय निकायों में इसके लिए हजारों की संख्या में बिजली के मीटर लगाए गए हैं। इन मीटरों के माध्यम से हर महीने मीटर रीडिंग कर बिजली विभाग द्वारा बिजली का बिल निकायों को प्रेषित किया जाता है। निकायों द्वारा प्रति माह एक बड़ी राशि विद्युत देयकों के रूप में व्यय की जाती है। कई बार सरचार्ज और एरियर्स के रूप में भी बिजली विभाग को अतिरिक्त राशि का भुगतान निकायों और नगरीय प्रशासन विभाग को करना पड़ता है। विभाग द्वारा नगरीय निकायों में बिजली बिल के समायोजन के लिए बिजली विभाग को हर साल लगभग 100 करोड़ रुपए से 200 करोड़ रुपए की राशि हस्तांतरित की जाती है। वर्तमान में करीब 800 करोड़ रुपए का भुगतान लंबित होने के कारण सरचार्ज की राशि में लगातार वृद्धि हो रही है।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने इस स्थिति को देखते हुए विभागीय समीक्षा बैठक में नगरीय निकायों के बिजली बिलों के ऑडिट तथा एनर्जी ऑडिट कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। इससे प्रत्येक निकाय के बिजली बिल के ऑडिट से वास्तविक विद्युत खपत और अनावश्यक रूप से सरचार्ज हेतु किए जा रहे भुगतान का स्पष्ट आंकलन किया जा सकेगा। ऑडिट के बाद विद्युत की खपत घटाने और सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जाने के लिए नीति भी तैयार की जाएगी। विद्युत खपत घटाने और सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जाने से लंबी अवधि में लगभग 800 करोड़ रुपए से एक हजार करोड़ रुपए की बचत होगी। साथ ही ग्रीन एनर्जी के उपयोग से निकायों को कार्बन क्रेडिट भी प्राप्त होगा। श्री साव ने कहा कि इस तरह बचाई गई राशि से निकायों में अधोसंरचना विकास के अन्य कार्य तथा नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए नई योजनाएं शुरू की जा सकेंगी। निकायों में ऊर्जा प्रबंधन में सौर उर्जा को शामिल करने एवं ताप ऊर्जा के उपयोग में कमी से पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा भी मिलेगा।

सौर ऊर्जा के अधिकतम उपयोग से नगरीय निकायों को ऊर्जा दक्ष बनाने के निर्देश, पायलट परियोजना के लिए तैयार की जा रही है कार्ययोजना

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने सौर ऊर्जा के अधिकतम उपयोग से नगरीय निकायों को ऊर्जा दक्ष बनाने के निर्देश दिए हैं। नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा निकायों में विद्युत खपत की वास्तविक जानकारी जुटाने हेतु एनर्जी ऑडिट कराने के लिए पायलट परियोजना की कार्ययोजना तैयार की जा रही है। एनर्जी ऑडिट के माध्यम से नगरीय निकायों में बिजली की वास्तविक खपत और व्यवस्था में व्याप्त अनियमितताओं, कमियों की पहचान तथा विद्युत देयकों के विश्लेषण के बाद विद्युत दक्ष (Energy Efficient) उपकरणों के प्रयोग को बढ़ावा देने, विद्युत खपत में कमी से देयकों में मितव्यता तथा चरणबद्ध तरीके से सौर ऊर्जा प्रणाली जैसी वैकल्पिक व्यवस्था को अपनाया जाएगा। भारत सरकार द्वारा भी पारंपरिक ऊर्जा के स्थान पर सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए पीएम कुसुम, पीएम सूर्योदय तथा पीएम सूर्यघर जैसी अभिनव योजनाएं प्रारंभ की गई हैं।

छात्रावास एवं आश्रम अधीक्षक-अधीक्षिकाओं को कलेक्बटर का निदेश: निभाएं बच्चों के अभिभावक की भूमिका

बालोद| कलेक्टर श्री इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने कहा कि शासन द्वारा संचालित आश्रम एवं छात्रावास निम्न, मध्यमवर्गीय तथा जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए संरक्षण स्थली है। जिसे ध्यान में रखते हुए जिले के आश्रम, छात्रावासों में निवासरत विद्यार्थियों घर जैसे माहौल एवं जरूरी सुविधा उपलब्ध कराई जाए। जिससे कि बच्चों को अनुकूल परिवेश एवं सुविधा मिल सके। कलेक्टर श्री चन्द्रवाल आज संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में आदिम जाति कल्याण विभाग के द्वारा जिले में संचालित आश्रम, छात्रावासों के अधीक्षक-अधीक्षिकाओं की बैठक लेकर उक्ताशय के निर्देश दिए हैं। बैठक में श्री चन्द्रवाल ने नए शिक्षा सत्र प्रारंभ होने के मद्देनजर छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधीक्षक-अधीक्षिकाओं को छात्रावास एवं आश्रम प्रारंभ होने के पूर्व सभी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में सहायक आयुक्त आदिवासी विकास श्रीमती मेनका चन्द्राकर एवं अन्य अधिकारियों के अलावा अधीक्षक-अधीक्षिकागण उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने छात्रावास, आश्रमों में साफ-सफाई की व्यवस्था, मरम्मत, शिक्षा सत्र 2024-25 में छात्रावास, आश्रमों में प्रवेश की पूरी तैयारी, कन्या छात्रावास एवं आश्रमों में मूलभूत सुविधा, शिष्यवृत्ती ऑनलाइन भुगतान की वर्तमान स्थिति, अधीक्षक-अधीक्षिकाओं के व्यक्तित्व एवं क्रियाकलाप आदि की विस्तृत समीक्षा की। इसके अलावा उन्होंने छात्रावास एवं आश्रमों में पेयजल व्यवस्था, कन्या छात्रावास आश्रमों की विशेष निगरानी तथा शिक्षा सत्र 2023-24 के परीक्षा परिणाम के अलावा छात्रावास एवं आश्रमों में वर्षाकाल के पूर्व वृक्षारोपण की तैयारी आदि के संबंध में भी बारी-बारी से जानकारी ली। श्री चन्द्रवाल ने छात्रावास एवं आश्रमों के साफ-सफाई की व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली तथा सभी अधीक्षक-अधीक्षिकाओं को साफ-सफाई समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने छात्रावास, आश्रमों के शौचालयों की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि दौरे के दौरान यदि छात्रावास, आश्रमों में समुचित साफ-सफाई नहीं पाए जाने तथा शौचालयों की स्थिति ठीक नही होने पर संबंधित अधीक्षक-अधीक्षिकाओं के विरुद्ध कार्रवाई की भी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि शौचालयों में दरवाजे एवं पानी आदि की उपब्धता समुचित होनी चाहिए। श्री चन्द्रवाल ने सभी अधीक्षक-अधीक्षिकाओं को दरवाजे आदि की मरम्मत की आवश्यकता पड़ने पर एक सप्ताह के भीतर शासन को प्रस्ताव भेजने के निर्देश भी दिए।

बैठक में श्री चन्द्रवाल ने छात्रावास, आश्रमों में विद्यार्थियों के प्रवेश प्रक्रिया के संबंध में भी जानकारी दी। उन्होंने जरूरतमंद विद्यार्थियों को छात्रावास, आश्रमों में प्रवेश मिल सके इसके लिए सभी अधीक्षक-अधीक्षिकाओं को आसपास के विद्यालय में इसका समुचित प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रवेश के लिए निर्धारित तिथि तक बच्चों का आवेदन लेने तथा मेरिट के आधार पर बच्चों का चयन करने के निर्देश दिए। श्री चन्द्रवाल ने छात्रावास, आश्रमों के स्वीकृत सीट के आधार पर बच्चों का शत प्रतिशत प्रवेश सुनिश्चित हो सके इसके लिए जरूरी उपाय भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छात्रावास, आश्रमों में प्रवेश लेने विद्यार्थियों की उपस्थिति शत प्रतिशत सुनिश्चित होनी चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि निरीक्षण के दौरान वे स्वयं इसका मॉनिटरिंग करेंगे। कन्या छात्रावास, आश्रमों की व्यवस्था की समीक्षा करते हुए जिले के सभी कन्या छात्रावास, आश्रमों की सुरक्षा की पुख्ता उपाय तथा देखरेख की समुचित उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके लिए उन्होंने सभी कन्या छात्रावास, आश्रमों में महिला होमगार्ड की तैनादगी सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में कलेक्टर ने आश्रम, छात्रावास के अधीक्षक-अधीक्षिकाओं के व्यक्तित्व एवं क्रियाकलापों के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि अधीक्षक-अधीक्षिकाओं का व्यवहार विनम्र, सौम्य एवं मिलनसार होनी चाहिए। जिससे बच्चों को अपने माता-पिता एवं अभिभावक के भाव का बोध हो सके। श्री चन्द्रवाल ने अधीक्षक-अधीक्षिकाओं के कार्य एवं दायित्व को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए पूरे निष्ठा एवं लगन के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर देश के नौनिहालों के तकदीर गढ़ने के महती कार्य में महत्वपूर्ण निभाने को कहा।

बलौदाबाजार में अब लौटने लगी शांति: पटरी पर आ रही व्यवस्था कलेक्टोरेट में कामकाज हुआ शुरू

ग्रामीण भी आवेदन लेकर पहुंच रहे कार्यालयों में

रायपुर/ बलौदाबाजार| बलौदाबाजार के कलेक्टोरेट और एसपी कार्यालय में बीते दिनों हुई आगजनी की घटना के बाद अब जिले में शांति का वातावरण है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री दीपक सोनी के मार्गदर्शन में जिला कार्यालयों में अब दैनिक व शासकीय कार्यों का संचालन सुचारू रूप से होने लगा है। जिले के ग्रामीणों द्वारा भी अब जिला कार्यालयों में आकर अपनी समस्याओं व शासकीय कार्यों के आवेदन जमा किए जा रहे हैं। कलेक्टर श्री सोनी के निर्देश पर आज 11 हितग्राहियों को उनकी मांग पर तत्काल राशन कार्ड जारी कर किया गया। वहीं दो दिनों में लोकसेवा केन्द्रों के माध्यम से 389 प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया गया है। बलौदाबाजार जिले के कलेक्टर श्री दीपक सोनी ने आज यहां बताया कि जिले में कलेक्टोरेट (कम्पोजिट बिल्डिंग) में आगजनी की घटना के बाद एक ओर जहां रेस्टोरेशन के कार्यों में तेजी लाई गई है, वहीं दूसरी ओर दूर दराज से कामकाज के सिलसिले में ग्रामीण आवेदन लेकर जिला कार्यालय पहुंच रहे है। कलेक्टर ने बताया कि आज खाद्य शाखा में बड़ी संख्या में आवदेक राशन संबधित कार्यों के सिलसिले में पहुंचे थे। जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए 11 हितग्राहियों को नवीन राशन कार्ड एवं 8 हितग्राहियों को नवीनकरण राशन कार्ड प्रदान किया गया। कलेक्टर श्री सोनी ने इस दौरान ग्रामीणों का हालचाल पूछा और कामकाज के बारे में भी जानकारी ली। इस दौरान ग्रामीण कविता बाई ने महिला समूह से जुड़कर काम करने की इच्छा जताई जिस पर कलेक्टर श्री सोनी ने कहा कि हम आने वाले दिनों में बिहान समूह का विस्तार करते हुए आजीविका गतिविधियों में तेजी लाएंगे और आपको समूह से जोड़कर आजीविका गतिविधियों से प्रशिक्षित भी करेंगे। 11 हितग्राहियों में विकासखंड कसडोल अंतर्गत ग्राम पिकरी से श्रीमती दुर्गेश्वरी यादव, छाछी से श्रीमती प्रीति साहू, सेल से श्रीमती गणेशी, बलौदाबाजार अंतर्गत भरसेला निवासी कुलेश्वरी, नगर से धनेश्वरी यादव, पूजा पटेल, कुंती यादव, लीलाबाई, आशा साय, रेशमा एवं मनीषा वर्मा, 8 नवीकरण राशन कार्ड हितग्राहियों में शहर बाई, प्रमिला बाई मानिकपुरी, कविता बाई, धरम बाई, शिवकुमारी, कौशल्या एवं प्रभा मानिकपुरी शामिल है। सभी ने प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया है। इसी तरह ग्राम सुकलाभाठा एवं चिराही से पहुँचे कुमारी मीनाक्षी निषाद पिता शिव कुमार निषाद तथा वासु आज़ाद पिता रमेश आज़ाद आधार अपडेट हेतु लोक सेवा केन्द्र पहुंचे, जिस पर तत्काल उन्हें अपडेशन के साथ आधार कार्ड कलेक्टर द्वारा प्रदान किया गया। कलेक्टर ने लोगों से छोटे बच्चे जिनका आधार अपडेट 5 साल एवं 14 साल में होना है वह अपडेट अनिवार्य रूप नवीन आधार कार्ड अपग्रेड करने के लिए प्रेरित किया। गौरतलब है कि कलेक्टर श्री दीपक सोनी आज सुबह 10 बजे जिला कार्यालय पहुंचे। उन्होंने नियमित कामकाज करते हुए अधिकारियों की मैराथन बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। श्री सोनी ने आमजनों से मुलाकात कर उनके आवेदनों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए है।

आपदा के समय टोल फ्री नंबर 1070 से मिलेगी सहायता

संवाददाता | रायपुर/बालोद

प्रदेश में किसी आपदा में आम नागरिकों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने हेतु टोल फ्री नंबर-1070 पर सूचित कर सहायता प्राप्त की जा सकती है। भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा सी-डेक, तिरुवनंतपुरम एवं राज्य सरकार के सहयोग से ईआरएसएस डॉयल 1070-आपदा प्रबंधन आपातकालीन सेवा संचालित की जा रही है। इसके टोल फ्री नम्बर पर संपर्क कर बाढ़, अग्नि दुर्घटना, आकाशीय बिजली दुर्घटना, सर्पदंश आदि में सहायता ली जा सकती है।

प्री-इंजीनियरिंग एवं प्री-मेडिकल कोचिंग प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन आमंत्रित

संवाददाता | दंतेवाड़ा

आदिवासी विकास शाखा से प्राप्त जानकारी अनुसार जिले के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को वर्ष 2024-25 में प्री-इंजीनियरिंग तथा प्री-मेडिकल कोचिंग में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों से 1 जुलाई 2024 तक आवेदन आमंत्रित किया गया है। प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थी कक्षा 12वीं उत्तीर्ण (बोर्ड परीक्षा में जीव विज्ञान एवं गणित विषय के साथ न्यूनतम 70 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होने वाले) विद्यार्थियों को निःशुल्क आवासीय सुविधा के साथ कोचिंग दिलाया जायेगा। इस योजना का लाभ लेने के लिए अभ्यर्थियों के पालकों का वार्षिक आय 02 लाख 50 हजार रुपये से अधिक नहीं होना चाहिए। आवेदन सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कार्यालय दंतेवाड़ा में 01 जुलाई सायं 04 बजे तक जमा किया जा सकता हैं। अभ्यर्थियों का चयन परीक्षा में प्राप्त मेरिट सूची के आधार पर किया जायेगा। इस संबंध में विस्तृत जानकारी हेतु विभागीय वेबसाइट https://tribal.cg.gov.in/ पर अवलोकन किया जा सकता है।

प्री-मेडिकल एवं इंजीनियरिंग कोचिंग हेतु 01 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित

संवाददाता | उत्तर बस्तर कांकेर

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों हेतु वर्ष 2024-25 में प्री-मेडिकल तथा प्री-इंजीनियरिंग कोचिंग में प्रवेश के लिए प्रतिभावान विद्यार्थियों से 01 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित किया गया है। आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त ने जानकारी दी है कि कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में जीव विज्ञान एवं गणित विषय के साथ न्यूनतम 70 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को निःशुल्क आवासीय सुविधा के साथ एक वर्षीय कोचिंग दिलाया जाएगा। इस योजना का लाभ ऐसे अभ्यर्थी प्राप्त कर सकेंगे, जिनके पालक का वार्षिक आय 02 लाख 50 हजार रूपए से अधिक नहीं है। आवेदन पत्र सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कार्यालय कांकेर में 01 जुलाई सायं 04 बजे तक जमा कर सकते हैं। अभ्यर्थियों का चयन परीक्षा में प्राप्त मेरिट सूची के आधार पर किया जाएगा। इस संबंध में अधिक जानकारी हेतु विभागीय वेबसाइटhttps://tribal.cg.gov.in/ का अवलोकन किया जा सकता है।

नाबालिग के साथ शादी का प्रलोभन देकर जगदलपुर के लॉज में दुष्कर्म, बालोद कोर्ट में आरोपी को मिला 20 वर्ष का कारावास

| बालोद

किरण कुमार जांगड़े, विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) बालोद (छ.ग.) के द्वारा आरोपी परमेश्वर उर्फ पम्मी यादव उम्र 24 वर्ष, निवासी-रंगकठेरा, थाना-गुण्डरदेही, जिला-बालोद (छ.ग.) को अंतर्गत भारतीय दण्ड संहिता की धारा 363 के आरोप में तीन वर्ष का सश्रम कारावास व 1000/- रू० अर्थदण्ड, भा.द.वि. की धारा 366 के आरोप में पांच वर्ष का सश्रम कारावास व 2000/- रू० अर्थदण्ड लैंगिक अपराध की धारा 6 के आरोप में बीस वर्ष का सश्रम कारावास व 2000/- रू० अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। व्यतिक्रम पर एक-एक-एक वर्ष का अतिरिक्त सश्रम कारावास से दण्डित किया गया। प्रकरण का संक्षिप्त विवरण सी.एल. साहू, विशेष लोक अभियोजक (पॉक्सो) के अनुसार- दिनांक 14 फरवरी 2023 को पीड़िता के पिता थाना-डौण्डीलोहारा में उपस्थित होकर लिखित रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 03 फरवरी 2023 उसके चचेरे भाई की मृत्यु होने की सूचना पर वह अपनी मंझली बेटी के साथ पीड़िता को अंजोरा से भीमकन्हार जाने बस से भेजा था जो अंजोरा से राजनांदगांव होते हुए बस से ग्राम संबलपुर बस स्टैण्ड में उतरे थे। दोपहर 2 बजे पीड़िता अपनी मंझली बहन को बिना बताये कहीं चली गयी, जिसका आसपास व रिश्तेदारों में पता किया जिसका कहीं पता नहीं चला। कोई अज्ञात व्यक्ति उसकी पुत्री / पीड़िता को नाबालिग होना जानते हुए बहला-फुसलाकर भगा ले गया। प्रार्थी/पीड़िता के पिता के उपरोक्त लिखित रिपोर्ट के आधार पर थाना डौण्डीलोहारा में गुम इंसान क्रमांक-05/2023 दर्ज कर पता तलाश में लिया गया तथा अज्ञात व्यक्ति के विरूद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धारा-363 का अपराध पंजीबद्ध कर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान अपहृत नाबालिग पीड़िता को दिनांक 17 फरवरी 2023 को बस स्टैण्ड दुर्ग में पम्मी उर्फ परमेश्वर यादव कब्जे से बरामद कर थाना लाया गया। अपहृत पीड़िता द्वारा अपने पुलिस कथन में बताया कि उसे दिनांक 13 फरवरी -2023 को रात्रि में आरोपी पम्मी उर्फ परमेश्वर के द्वारा जगदलपुर बस स्टैण्ड लॉज में दो दिन तक अपने साथ रखकर शारीरिक संबंध स्थापित किया। इस पर अभियुक्त के विरूद्ध पीड़िता के साथ बलात्कार की घटना कारित किया जाना पाये जाने पर थाना डौण्डीलोहारा के द्वारा आरोपी के विरूद्ध 36, 366, 376 (2) (ढ), 376 (3) भारतीय दण्ड संहिता एवं लैंगिक अपराध से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 की धारा 4, 5 (ठ)/6 के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना में लिया गया। तत्पश्चात् संपूर्ण विवेचना उपरांत अभियुक्त के खिलाफ अपराध पाये जाने पर आरोपी के विरूद्ध अभियोग पत्र विचारण न्यायालय में दिनांक 10 अप्रैल 2023 को प्रस्तुत किया गया। प्रकरण की विवेचना स.उ.नि. अनित राम यादव, स.उ.नि. सीता गोस्वामी, स.उ.नि.- लता तिवारी और निरीक्षक तुलसिंह पट्टावी के द्वारा किया गया। न्यायालय द्वारा प्रकरण में आये साक्ष्य के आधार पर आरोपी को उक्त दण्ड से दण्डित किया गया।

मत्स्याखेट पर 16 जून से 15 अगस्त तक पूर्णतः प्रतिबंध

संवाददाता | बालोद

राज्य शासन द्वारा वर्षा ऋतु में मछलियों की वंश वृद्धि (प्रजनन) को ध्यान में रखते हुए उन्हें संरक्षण देने हेतु राज्य में छत्तीसगढ़ नदीय मस्योद्योग अधिनियम 1972 के तहत 16 जून से 15 अगस्त 2024 तक की अवधि को बंद ऋतु (क्लोज सीजन) के रूप में घोषित किया गया है। अतएव प्रदेश के समस्त नदी-नालों तथा छोटी नदियों, सहायक नदियों में जिन पर सिंचाई के तालाब या जलाशय (बड़े या छोटे) जो निर्मित किए गए हैं में किये जा रहे केज कल्चर के अतिरिक्त सभी प्रकार का मत्स्याखेट 16 जून से 15 अगस्त 2023 तक पूर्णतः निषिद्ध रहेगा।

उक्त नियमों का उल्लंघन करने पर छत्तीसगढ़ राज्य मत्स्य क्षेत्र अधिनियम के अन्तर्गत अपराध सिद्ध होने पर एक वर्ष का कारावास अथवा 10 हजार रूपये का जुर्माना अथवा दोनों सजा एक साथ होने का प्रावधान है। उक्त नियम केवल छोटे तालाब या अन्य जल स्त्रोत जिनका संबंध किसी नदी नाले से नहीं है, के अतिरिक्त जलाशयों में किये जा रहे केज कल्चर में लागू नहीं होगा।

महतारी वंदन योजना : बनी बेसहारों का सहारा

| बालोद ...

छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना निम्न एवं मध्यम वर्ग के महिलाओं के लिए अनेक दृष्टि से लाभप्रद सिद्ध होकर मुश्किल वक्त का सहारा बन गया है। उल्लेखनीय है कि आज भी पुरुष प्रधान भारतीय समाज में महिलाओं को छोटी-बड़ी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पुरुषों पर ही निर्भर रहना पड़ता है। आज के दौर में भी कामकाजी महिलाओं के द्वारा अपने मेहनत से किए गए अनेक कार्यों का पैसा भी उनके पिता, पति, ससूर या उनके घर के मुखिया के पास जमा होता है। लेकिन राज्य सरकार के महतारी वंदन योजना की राशि प्रतिमाह संबंधित महिला के खाते में सीधे जमा होने से यह राशि राज्य के महिलाओं के लिए बहुत ही उपयोगी साबित हो रहा है। पूरे राज्य की भाँति बालोद जिले में भी इस योजना का बेहतरीन प्रतिसाद देखने को मिल रहा है। राज्य सरकार की इस लोक कल्याणकारी योजना के माध्यम से प्रतिमाह 01 हजार रूपये की राशि मिलने से जिले के ग्राम झलमला के वार्ड नंबर 08 की निवासी दुलेश्वरी के लिए आर्थिक संबलता का आधार बन गया है। इस योजना के फलस्वरूप राशि मिलने से डिलेश्वरी अपने छोटे बच्चों के लिए नियमित रूप से पौष्टिक भोज्य पदार्थों की प्रबंध करने के अलावा जरूरत पड़ने पर ईलाज एवं साबून सोडा इत्यादि छोटी-मोटी जरूरतों को आसानी से पूरा कर पा रही हैं। अब उन्हें अपने दैनिक आवश्यकताओं के लिए लगने वाली चीजों की पूर्ति तथा ईलाज आदि आवश्यक कार्यों के लिए अब किसी के पास हाथ फैलाने की आवश्यकता नही पड़ रही है।

इस योजना की सराहना करते हुए वार्ड नंबर 08 झलमला निवासी श्रीमती डिलेश्वरी पटेल ने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शुरू की गई महतारी वंदन योजना हमारे जैसे अनेक गरीब एवं मध्यम वर्ग के महिलाओं के लिए हर तरह से उपयोगी सिद्ध होकर मुश्किल वक्त का सहारा बन गया है। उन्होंने बताया कि इस योजना के लागू होने के पूर्व उसे अनेक महिलाओं को बीमारियों के ईलाज तथा दैनिक उपयोग की चीजों की खरीदी एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए अपने पति, ससूर तथा घर के मुखिया के ऊपर आश्रित रहना पड़ता था। लेकिन प्रत्येक माह इस योजना की राशि उनके खाते में जमा होने से अब उसे इन चीजों का प्रबंध करने में किसी प्रकार की कठिनाई नही हो रही है। इसके अलावा वे अपने दो छोटे बच्चे कुमारी पूर्वी एवं 02 वर्षीय बालक जतिन पटेल के लिए भी आसानी से पौष्टिक खाद्य पदार्थों का प्रबंध कर पा रही हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाले छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा एक सच्चे अभिभावक की भाँति राज्य की असंख्य महिलाओं की वास्तविक पीड़ा एवं जरूरतों को समझते हुए राज्य में जो महतारी वंदन योजना लागू की गई है वह हर दृष्टि से सराहनी एवं काबिले तारीफ है। श्रीमती डिलेश्वरी ने कहा कि राज्य सरकार के द्वारा इस योजना को लागू कर महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सक्षम बनाने का कार्य किया है। जिसके फलस्वरूप हम महिलाओं में आत्मनिर्भरता एवं आत्मविश्वास का संचार हुआ है। उन्होंने राज्य के महिलाओं की वास्तवित जरूरतों को समझते हुए छत्तीसगढ़ में इस अत्यंत महत्वाकाक्षी योजना को लागू करने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करते हुए उनके प्रति विनम्र आभार व्यक्त किया है।

'सुप्रजा' कार्यक्रम योजना से गर्भिणी महिलाएं हो रही लाभान्वित

प्रथम चरण में राज्य के 06 जिलों में योजना है लागू

रायपुर/धमतरी

भारत सरकार आयुष मंत्रालय द्वारा छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत वर्ष 2023-24 राष्ट्रीय कार्यक्रम सुप्रजा सचालित किया जा रहा है। सुप्रजा कार्यक्रम गर्भवती, नवजात शिशु की देखभाल एवं सुरक्षा हेतु प्रारंभ किया गया है। प्रथम चरण में राज्य के 06 जिलों (रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, सरगुजा, बस्तर, धमतरी) के कुल 28 संस्थाओं में चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टॉफ को भारत सरकार की गाईडलाइन के तहत गतिविधियों जैसे प्रतिमाह गर्भवती जांच, शिशु विकास परीक्षण, गर्भवती महिलाओं को शारीरिक, मानसिक तथा भावनात्मक रूप से स्वस्थ रखने हेतु स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही है। उत्तम गुणयुक्त संतान प्राप्ति के लिए गर्भसंस्कार करवाया जा रहा है। गर्भावस्था अनुरूप आहार-विहार संबंधित सलाह (प्रत्येक माह अनुसार आयुर्वेद आहार) तथा प्रत्येक गर्भिणी को गर्भावस्था में किये जाने वाली उपयोगी योगासन की जानकारी योग प्रशिक्षक एवं आयुर्वेद चिकित्सकों द्वारा दी जा रही है। ज्यादा से ज्यादा गर्भिणी महिला योग का लाभ ले सके इसलिए आयुष संस्थाओं में योग सत्र का आयोजन भी किया जा रहा है। गर्भावस्था में गर्भवती महिलाओं को आयुर्वेद औषधियां निःशुल्क प्रदान की जा रही है। इस कार्यक्रम के तहत गर्भावस्था की जटिलताएं कम हुई हैं। साथ ही सिजेरियन डिलीवरी की संख्या घट रही है। जननी एवं नवजात शिशु की प्रसवोत्तर 06 माह तक चिकित्सक द्वारा फॉलोअप किया जा रहा है तथा नवजात शिशु को स्तनपान करवाने हेतु जननी को सलाह दी जा रही है। अब तक सुप्रजा कार्यक्रम के तहत विगत 05 माह में चिन्हांकित 28 संस्थाओं में लगभग 945 गर्भिणी महिलाओं ने लाभ प्राप्त किया है। गर्भवती माताओं में आयुर्वेदिक जीवनशैली तथा गर्भ की देखभाल के प्रति रुझान में निरंतर वृद्धि देखी जा रही है, इसलिए छत्तीसगढ़ आयुष संचालक इफ्फत आरा के आदेशानुरूप सुप्रजा कार्यक्रम के द्वितीय चरण में 20 अन्य संस्थाओं में भी यह कार्यकम राष्ट्रीय संचालित करने की योजना है।

यूनिसेफ छत्तीसगढ़ ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय खेल दिवस

आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से हुए विविध खेलों के आयोजन

बालोद। यूनिसेफ छत्तीसगढ़, राज्य सरकार, और विभिन्न समुदाय के पालकों ने संयुक्त रूप से संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित पहले अंतर्राष्ट्रीय खेल दिवस का गरिमामय आयोजन किया। यह वैश्विक अभियान बच्चों के समग्र विकास में खेल के महत्व को रेखांकित करता है। छाया कुवर, यूनिसेफ छत्तीसगढ़ की शिक्षा विशेषज्ञ ने इस संदर्भ में अपनी राय प्रकट करते हुए कहा कि, "खेल हर बच्चे का मौलिक अधिकार है। यह न केवल उनके संज्ञानात्मक, शारीरिक, सामाजिक, और भावनात्मक कल्याण में योगदान देता बल्कि उनके बौद्धिक, सामाजिक, भावनात्मक और शारीरिक क्षेत्रों में सीखने के अवसर देता है - खेल के माध्यम से, बच्चे दूसरों से संबंध बनाते हैं, नेतृत्व कौशल विकसित करते हैं, चुनौतियों का सामना करते हैं और अपने भय को पराजित करते हैं। यूनिसेफ छत्तीसगढ़ ने इस विशेष दिन को मनाने के लिए राज्य के चयनित जिलों में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। खेल के महत्व को बढ़ावा देते हुए स्वयंसेवक और माता-पिता, बच्चों को न केवल पारंपरिक बल्कि अन्य खेलों में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। स्कूल, ऐ डब्लू सी, और सार्वजनिक स्थानों पर हंसी और आनंद का केंद्र बनाया जाएगा, जहां बच्चे विभिन्न स्थानीय खेलों और रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेंगे। अभिषेक सिंह, सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन विशेषज्ञ, यूनिसेफ छत्तीसगढ़ ने इस आयोजन की आवश्यकता और भविष्य में बच्चों के जीवन पर इसके सकारात्मक प्रभाव को रेखांकित करते हुए कहा कि, "खेल बच्चों के जीवन में सृजनात्मकता, नवाचार, और नेतृत्व को बढ़ावा देता है। जब बच्चे खेलते हैं, तो वे आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते हैं। इन उद्देश्यों के साथ, चलिए 11 जून को अंतर्राष्ट्रीय खेल दिवस का जश्न मनाते हैं, हमारे स्कूलों, घरों, और पड़ोस में बच्चों के साथ खेल की गतिविधि में शामिल होकर, उनके शारीरिक और मानसिक विकास में अपनी सफल भूमिका निभाएं,"। महिला और बाल विकास विभाग के सहयोग से यूनिसेफ आंगनबाड़ी केंद्रों में "परवरिश के चैंपियन (पालन पोषण चैंपियन) कार्यक्रम के तहत खेल के महत्व पर सत्र आयोजित कर रहा है। संज्ञा टंडन, आरपा सामुदायिक रेडियो, बिलासपुर ने इस विषय पर बात करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के सभी सामुदायिक रेडियो स्टेशन आज इस सकारात्मक अभियान का हिस्सा हैं और समुदाय के साथ माता-पिता की भूमिका और खेल के महत्व पर संवाद कर रहे हैं। यूनिसेफ से संबंधित मीडिया कलेक्टिव फॉर चाइल्ड राइट्स (एमसीसीआर)बालोद जिले से सदस्य दीपक यादव ने बताया कि यह आयोजन बालोद जिले में भी विभिन्न स्थानों पर आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से हुआ।

पुराना बाजार विकास एवं संघर्ष समिति के अध्यक्ष बने अजय अग्रवाल, वार्ड की समस्याओं से मुक्ति दिलाने संघर्ष करेगी समिति

दल्लीराजहरा। लौह अयस्क नगरी के नाम से प्रसिद्ध राजहरा नगर में बीएसपी माइंस से होने वाले दुष्परिणामों का सबसे अधिक दंश झेलते और पुराना बाजार क्षेत्र की आम जनता की लगातार हो रही उपेक्षा, पुराना बाजार क्षेत्र की सड़क, नाली, स्ट्रीट लाइट, शौचालय और गिरते व्यापार जैसी अनेकों समस्याओं को देखते हुए वार्ड क्रमांक दस में स्थित गणेश मंच पर आवश्यक बैठक पुराना बाजार क्षेत्र के रहवासियों के द्वारा बुलाई गई थी। जिसमें उपस्थित सभी नागरिकों के द्वारा क्षेत्र की समस्याओं को लेकर विस्तृत चर्चा की गई और लगभग 20 वर्ष पूर्व पुराना बाजार के गणमान्य नागरिकों के द्वारा बनाए गए पुराना बाजार विकास एवं संघर्ष समिति को पुनर्जीवित कर पदाधिकारियों और कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमे सर्वसम्मति से अध्यक्ष अजय अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बचित्तर सिंह(बबलू), उपाध्यक्ष राजेश लालवानी और दुर्गेश गुप्ता, सचिव मोहम्मद मेराज, सह सचिव राहुल शर्मा, कोषाध्यक्ष प्रमोद जैन, सह कोषाध्यक्ष मोहन शर्मा, संगठन मंत्री वेद प्रकाश, राजेश गुप्ता, आशीष जयसवाल, इशू पटेल और मीडिया प्रभारी दीपक मंडल और खिलेश साहू को बनाया गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में राजेश जैन, गौतम जैन, सूरजभान सिंह, मोहर्रम, वेदव्यास निषाद, संतोष पटेल, पुनीत यादव, दीपक साहू, ईश्वर साहू, पंकज धनकर, विजय यादव, खिलेश पटेल, भगऊ निषाद, नंद किशोर सार्वा को नियुक्त किया गया एवं वार्ड क्रमांक 10 से वार्ड क्रमांक 19 के सभी पार्षदों को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में सम्मिलित किया गया। पुराना बाजार विकास एवं संघर्ष समिति के संरक्षक के रूप में राजेश अग्रवाल, रमेश मित्तल, संतोष देवांगन, रवि जायसवाल, रामजतन भारद्वाज, कृष्णा धर्मे को सर्वसम्मति से नियुक्त कर इनके मार्गदर्शन में समिति कार्य करेगी।

{ पाठक पन्ना }

{आप भी भेज सकतें है इस पेज के लिए अपने लेख,रचना, कविता, गीत, 9755235270 पर वाट्सएप करें}

आलस्य का मजा - व्यंग आलेख

आलस्य को लोग मुफ्त में ही बदनाम करके रखे हैं। कहते हैं "आलस्य मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है। " इस नीति वाक्य को वही लोग सही मानते हैं जो लोग आलस्य के मजे से वंचित है या आलस्य का मजा लेकर आलस्य के प्रति कृतघ्न हैं और हमें समझाइश देते हैं कि आलस्य से बचना चाहिए। वे कहते हैं
काल करे सो आज कर ,
आज करे सो अब ।
पल में प्रलय होयेगी तो,
बहुरि करेगा कब । "
भई हमें जब पता है कि पल में प्रलय होगी तो काम करने से क्या फायदा? हमारा पूरा काम तो प्रलय में बह जाएगा। इसके विपरीत जो आशावादी लोग हैं अर्थात आलस्य का मजा ले चुके लोगों का कहना है कि
"आज करे सो काल कर,
काल करे सो परसो।
इतनी जल्दी क्या है यारों,
जीना है कई बरसों। "
इन्हीं विचारों के बूते दुनिया चल रही हैं वरना आलस्य न करने वाले तो दुनिया को कब के खत्म कर चुके होते। प्रकृति अपने गुण धर्म के हिसाब से चलती है। वह न ज्यादा तीव्र गति से चल सकती है और न ही धीमी गति से। यह जो आलस्य करने वाले लोग हैं वे संतुलन स्थापित करने का काम करते हैं। जो लोग आलस्य के मजे से अनभिज्ञ अभागे हैं उन्हें मैं बता दूँ कि वे उन व्यक्तियों से पूछे जो सुबह की मीठी नींद से जागना पसंद नहीं करते। उन मंत्रियों से पूछे जो चुनाव जीतने के बाद पाँच साल तक सोना पसंद करते हैं। अधिकारियों व कर्मचारियों से पूछे जो नियत समय पर प्रकरण का निपटारा करना पसंद नहीं करते। उन पुलिस विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को पूछे जो चोरी, डकैती, हत्या, बलात्कार के अपराधियों को जल्द पकड़ना पसंद नहीं करते। उन जज व वकीलों से पूछें जो किसी केस का फैसला जल्दी ना करके सालों साल खींचना पसंद करते हैं। दरअसल ये लोग आलस्य का मजा भली-भांति ले चुके होते हैं और उस मजा से वंचित होना पसंद नहीं करते। आप इन समस्त जनों से पूछना अपने शान के खिलाफ समझते हैं या कोई मुसीबत मोल नहीं लेना चाहते तो मैं आपके अनुभव के लिए कुछ लघु कथाएँ पेश करता हूँ।
आलसी लोग आलस्य के इतने आदी हो चुके होते हैं कि आलस्य को आनंद का छोटा भाई समझते हैं। उनका मानना है कि यदि आनंद प्राप्त करना हो तो आलस्य से संबंध प्रगाढ़ रखें। लघुकथा इस प्रकार है कि
एक बार एक आलसी आदमी पेड़ के नीचे विश्राम कर रहा था। तभी एक आदमी आया और टोकते हुए कहा कि " हे! क्यों अपने जीवन का कीमती समय नष्ट कर रहे हो। उठो और काम करो। "
वह आलसी आदमी पूछा-" काम करने से क्या होगा? और अभी मैं क्या काम करूँ?"
तो वह आदमी बोला-" चल तू अभी लकड़ी काट और उसे बेच कर पैसा कमा। जब ज्यादा पैसा होगा तो बकरियाँ खरीद लेना। बकरियाँ बच्चे देंगी तो ढेर सारी बकरियाँ होंगी। उसे बेचकर गाय खरीद लेना। जब गाय बछड़े देंगीं तो ढेर सारी गाये होंगी। उसे बेचकर भैंस खरीद लेना। जब ढेर सारी भैंस होगी तो दूध भी ज्यादा होगा। देख-भाल के लिए नौकर चाकर होंगे। दूध बेचकर बहुत से पैसे कमाओगे। "
"मै उन पैसों का क्या करूंगा?" आलसी आदमी पूछा
तब वह आदमी बोला-" उन पैसों से मोटर कार बंगला खरीदोगे। सुंदर बीवी होगी। "
"फिर मोटरकार बंगला को क्या करूंगा? आलसी ने पूछा
" मोटर कार में अपनी बीवी के साथ सैर सपाटे करोगे। बंगला में सुख चैन से विश्राम करोगे। "वह आदमी बोला
" तो मैं अभी क्या कर रहा हूँ? विश्राम ही तो कर रहा हूँ न? इसकी क्या गारंटी है कि बकरी पालन से लेकर मोटरकार बंगला गाड़ी खरीदने का सफर तय करने के बाद मुझे आराम मिले। जो आराम इतना झमेला करने के बाद चाहता हूँ वह अभी मिल रहा है तो उसे मैं क्यों छोड़ूँ? चल हट मुझे विश्राम करने दो। " अगला आदमी अवाक रह गया।
वैसे ही एक दूसरी लघुकथा में आलस्य की पराकाष्ठा वाली एक और घटना है।
एक बाप अपने पुत्र से बहुत प्रेम करता था । वह उसके ऐसो आराम का बहुत ख्याल रखता था। बाप पूंजीपति था। वह बेटे के लिए कुछ भी कर गुजरने को तैयार था। वह अपने बेटे की सभी जिद पूरी करता था। एक बार बेटे ने अपने पिताजी से शिकायत की कि पिताजी मुझे सुबह से उठकर रात सोने तक बहुत से कार्य खुद करने होते हैं कृपया मदद करें। पिता ने मैकेनिक बुलाकर एक यंत्र बनवाया और यंत्र तैयार होने के बाद अपने पुत्र को बुलाकर कहा कि "इस बटन को दबाने से पानी मिलेगा। इस बटन को दबाने से चाय नाश्ता मिलेगी। इस बटन को दबाने से खाना टेबल पर मिल जाएगा। इस बटन को दबाने से लेट बाथ दोनों से निवृत्त हो जाओगे। इस बटन को दबाने से अपने आप कपड़े पहनोगे। इस बटन से बाल में कंघी होगी व जूते के लेस बंध जाएंगे। "
बीच में पुत्र ने टोकते हुए कहा कि-" पिताजी ये सब तो ठीक है परंतु आपने यह तो नहीं बताया कि ये सब बटन कौन दबायेगा?"
आलसी पुत्र का पिता सवाल सुन कर बेहोश हो गया।
आधुनिक युग में जितने भी इन्वेंशन हुए हैं वे सब आलस्य के ही परिणाम है। दुनिया के जितने भी प्रकार के मशीन हैं उनके अविष्कारक महान आलसी लोग ही रहे हैं। आदमी चलने में कोताही की तो मोटर ,कार ,गाड़ी, ट्रेन, हवाई जहाज आदि का आविष्कार कर लिये। पहले के लोग कुदाल से गड्ढा खोदते थे। परंतु आज के लोग आलस्य के शिकार होने के कारण गड्ढा खोदने की मशीन बना लिये। पहले के लोग गर्मी से राहत पाने के लिए अपने ही हाथों से पंखा झालते थे। आलस्य ने पंखा ,कूलर, एसी का निर्माण करवाया। पहले के लोग खुद गा बजाकर मनोरंजन करते थे। अब के लोग आलस्य के चंगुल में होने के कारण टीवी, रेडियो, ग्रामोफोन आदि का आविष्कार कर डालें। बटन दबाओ और मनोरंजन चालू। लाइट, स्टोव, गैस चूल्हा के अविष्कार के पीछे भी यही किस्सा है।
आपको मेरी बातें मजाक लग रही होगी। यह मजाक नहीं, सच है। एक महिला अपने पति से अपने ब्लाउज मे बटन टाकने के लिए कई दिनों से मिन्नतें कर रही थी। पति बड़ा आलसी था। उससे ब्लाउज में बटन भी नहीं टाका जा रहा था। तंग आकर पत्नी अपने पति को उलाहना देने लगी। तब पति ने परेशान होकर एक तार को विशेष रूप से मोड़कर ब्लाउज में फसा दिया। तब ब्लाउज पहनने लायक बन गया। आगे चलकर वही विशेष प्रकार के मोड़े हुए तार सेफ्टीपिन के रूप में उभर कर आया। तो हुई न एक आलसी राम के कारनामे से अविष्कार।
आलस्य परमात्मा की कृति है। जबसे सृष्टि का निर्माण हुआ है तबसे आलस्य अपने अस्तित्व में है। देवराज इंद्र को आलस्य का देवता मान सकते हैं। क्योंकि वह इंद्रासन पर बैठकर राग रंग में डूबकर मस्त नैसर्गिक आनंद का उपभोग करता है। वह सभी देवी देवताओं को काम में लगा कर खुद अपना कर्म भूल जाता है। तभी तो उसे बार-बार दैत्यों के हाथों हार का सामना करना पड़ता है। तब भागा-भागा ब्रह्मा, विष्णु ,महेश के पास जाता हैं। और पुनः स्वर्ग लोक की स्थापना के लिए मिन्नतें करता है। इंद्र स्वयं कुछ नहीं कर सकता। देव गुरु बृहस्पति और त्रिदेव के बल पर इंद्र राज करता है। यही हाल पृथ्वी पर समस्त आलसी लोगों की है जो अपने मातहतों के भरोसे मजा लेते हैं। जो आलस्य के पक्षधर है वही लोग स्वस्थ एवं सुखी है। आलस्य तो वह जीवन बूटी है जो लंबी आयु प्रदान करती है। तेज चलने वाला खरहा हार जाता है और धीमा चलने वाला कछुआ जीत जाता है। कछुआ और अजगर सरपट दौड़ते नहीं हैं इसीलिए वे अन्य जीवो से लंबी आयु जीते हैं। ये है आलस्य का मजा। आलस्य को अंगीकार कीजिए और सुखी जीवन जी लीजिए।

रचना: कन्हैया लाल बारले
ग्राम-कोचेरा
पोष्ट भीमकन्हार
तहसील डौण्डी लोहारा
जिला बालोद (छत्तीसगढ़)

डेली बालोद न्यूज़ टीम: दीपक यादव संपादक,माधुरी यादव उप संपादक/ ब्युरोचीफ, देव नारायण साहू डेस्क इंचार्ज,ईश्वर लाल गजेन्द्र ग्रुप इंचार्ज, टिकेश साहू फोटोग्राफर,मुकेश सेन वीडियोग्राफर

छत्तीसगढ़ में होगी जियो-रेफ्रेंसिंग से ई-गिरदावरी

| बालोद/रायपुर

छत्तीसगढ़ में राजस्व प्रशासन को चुस्त-दुरूस्त करने का काम शुरू कर दिया गया है। राज्य में अब डिजिटल क्रॉप सर्वे के लिए तैयारियां की जा रही हैं, इस सर्वे को अंजाम देने के लिए राजस्व विभाग द्वारा भूमि का जियो-रेफ्रेंसिंग का कार्य तेजी से चल रहा है। एक ओर जियो-रेफ्रेंसिंग से भूमि विवादों में कमी आएगी। वहीं दूसरी ओर फसलों की ई-गिरदावरी का कार्य आसान हो जाएगा।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राज्य में सुशासन के लिए पारदर्शी और बेहतर प्रशासन के लिए शासकीय काम-काज में अधिक से अधिक आईटी का उपयोग करने के निर्देश सभी विभागों को दिए हैं। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में राजस्व अधिकारियों को भूमि के जियो-रेफ्रेंसिंग का कार्य तेजी से पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं।

भ्रष्टाचार की शिकायत पर होगी कार्यवाही

राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने बैठक में कहा कि ग्रामीणों और किसानों को नामांतरण, बटवारा, सीमांकन और व्यपवर्तन कार्य में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी जनता की दिक्कतों को पूरी संवेदनशीलता के साथ दूर करने के लिए तैयार रहें। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार की शिकायत पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारी को अपनी कार्यशैली में बदलाव लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक सत्र को ध्यान रखते हुए सभी राजस्व अधिकारी सुनिश्चित करें कि बच्चों को आय और जाति प्रमाण पत्र के लिए भटकना न पड़ें।

भू-अभिलेख में त्रुटि सुधार के लिए अभियान चलेगा

राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि अविवादित नामांतरण प्रकरणों के निराकरण में यह देखा गया है कि ऐसे प्रकरणों को बिना किसी कारण के अनावश्यक खारिज किया जा रहा है। ऐसे प्रकरणों पर नियमानुसार कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि किसानों के भू-अभिलेख में त्रुटि सुधार के लिए अभियान चलाया जाए, इसके लिए पंचायत स्तर पर आवेदन लेकर उसका निराकरण किया जाए। उन्होंने युवाओं को रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने के लिए राज्य के सभी जिलों में जिला स्तरीय खेल आयोजन के लिए मैदान का चिन्हांकन करने के निर्देश दिए।

राजस्व प्राप्ति बढ़ाने पर जोर

राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि राज्य सरकार को विभिन्न स्त्रोतों से हो रही राजस्व प्राप्तियों में वृद्धि के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएं। राजस्व प्राप्तियां बढ़ाने के लिए पारदर्शिता और ईमानदारी से कार्य हो। डायवर्सन भूमि का लंबित शुल्क वसूली की जाए। अधिक राजस्व प्राप्तियों से ही विकास और जनकल्याण मूलक कार्यों को गति मिलेगी।

राजस्व मामलें के निराकरण के लिए ठोस रणनीति

समीक्षा बैठक में राजस्व विभाग के सचिव श्री अविनाश चंपावत ने कहा कि राज्य में राजस्व संबंधी प्रकरणों के तेजी से निराकरण के लिए ठोस रणनीति बनाई जा रही है। संचालक श्री रमेश शर्मा ने बताया कि भुइंया सॉफ्टवेयर में राजस्व रिकार्ड अद्यतन है। साथ ही जमीनों के स्थायी चिन्हांकन के लिए चांदा-मुनारा निर्माण करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

अयोध्या में रामलला की प्रथम मूर्ति बनाने वाले मूर्तिकार सत्यनारायण पांडे जयपुर का हुआ माँ कौशल्या धाम पाटेश्वर आगमन

| बालोद/ डौंडी लोहारा|

यहां भी होगी माँ कौशल्या और भगवान राम के बालरूप की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा

श्री जामडी पाटेश्वर धाम में अयोध्या में रामलला की सफेद मार्बल की 07 महीने में मूर्ति बनाकर पूरे देश में चर्चित होने वाले जयपुर राजस्थान के प्रसिद्ध मूर्तिकार सत्यनारायण पांडे का आगमन हुआ। संत श्री रामबालक दास महात्यागी सहित पाटेश्वर परिवार द्वारा उनका स्वागत किया गया। मूर्तिकार सत्यनारायण पांडे ने संत श्री रामबालक दास महात्यागी तथा पाटेश्वर परिवार के लोगो के साथ पूरे पाटेश्वर परिसर का भ्रमण कर अवलोकन किया। श्री पांडे जी ने निर्माणाधीन माँ कौशल्या धाम मंदिर का द्वितीय तल का भी अवलोकन किया। उल्लेखनीय है कि निर्माणाधीन माँ कौशल्या धाम में मंदिर के द्वितीय तल पर ही माँ कौशल्या और भगवान राम के बालरूप की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा होनी है जिसकी तैयारी चल रही है। प्रसिद्ध मूर्तिकार सत्यनारायण पाण्डे ने पाटेश्वर धाम पर अपने प्रथम प्रवास के संबंध में प्रेस के साथ चर्चा करते हुए कहा कि यहाँ आकर उन्हें अद्भुत देवलोक जैसे वातावरण का अहसास हुआ है। संत श्री राजयोगी बाबा की तपोस्थली में आध्यात्मिक शक्ति का अहसास उन्हें हुआ है। यह स्थान संत श्री राजयोगी बाबा के तप के कारण राममय हो गया है। लगभग 48 वर्ष पूर्व संत श्री राजयोगी बाबा ने इस तपस्थली को पूर्ण राममय किया है। मूर्तिकार सत्यनारायण पांडे ने कहा कि यह उनका सौभाग्य होगा कि उन्हें माँ कौशल्या एवं भगवान राम के बालरूप की विश्व के प्रथम मूर्ति को बनाने का अवसर प्राप्त होगा। श्री पांडे ने कहा कि जब से संतश्री रामबालक दास महात्यागी से उनकी मुलाकात हुई तथा माँ कौशल्या तथा भगवान राम की मूर्ति बनाने के संबंध में चर्चा हुई तभी से उनका मन इस स्थान पर आने के लिए व्याकुल था कि माँ कौशल्या जहाँ विराजने वाली है वह स्थान कितना अलौलिक होगा। और आज यहां आकर उनकी प्रतीक्षा तथा व्याकुलता समाप्त हुआ है और यहाँ आकर परम आनंद की अनुभूति भी हुई है। इस अवसर पर पाटेश्वर संस्थान के आर्किटेक्ट सोरेन सिंह ,रघुनंदन सिंह उजाला, मीडिया प्रभारी जयेश ठाकुर, अभय श्रीवास्तव, डॉ.आर.के.अग्रवाल, सचिव पुसऊ राम लहरे, घनश्याम महाराज, नरेन्द्र विश्वकर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

प्रदेश की नई औद्योगिक नीति का पहला ड्राफ्ट 31 जुलाई तक होगा तैयार

| बालोद/रायपुर

उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने प्रदेश की नवीन औद्योगिक नीति 2024-29 के पहले ड्राफ्ट को 31 जुलाई तक जारी करने के निर्देश विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। नई औद्योगिक नीति के लिए उद्योग विभाग द्वारा लगातार अलग-अलग उद्योग संगठनों से विचार-विमर्श कर उनके अमूल्य सुझाव लिए जा रहे हैं, अब तक प्रदेश के 20 अलग-अलग उद्योग संघों से सुझाव लिए जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त गुजरात, महाराष्ट्र, ओडिसा, मध्यप्रदेश समेत अन्य प्रदेशों के उद्योग नीति पर स्टडी भी विभाग द्वारा की जा रही है। राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों और उद्योगपतियों को छत्तीसगढ़ में निवेश प्रोत्साहन बढ़ाने की दिशा में जोर दिया जा रहा है।

उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं की नई औद्योगिक नीति में हर सेक्टर पर फोकस होना चाहिए। नए सेक्टर जैसे फार्मास्युटिकल, एग्रीकल्चर, टेक्सटाइल समेत अन्य सेक्टरों के उद्योग ज्यादा से ज्यादा लगें, ताकि रोजगार भी अधिक लोगों को मिले और प्रदेश में निवेश भी बढ़े। इन सेक्टरों के उद्योग लगने से प्रदूषण के बढ़ने की संभावना भी कम रहेगी।

नई औद्योगिक नीति के लिए इस मेल आईडी पर भेज सकते हैं सुझाव

उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने बताया की नई औद्योगिक नीति 2024-29 के लिए मेल आईडी पर या फिर सीधे विभाग में अपने अमूल्य सुझाव दे सकते हैं।

उद्योग मंत्री स्वयं जाएंगे अन्य राज्य, उद्योग प्रतिनिधियों से लेंगे सुझाव

नई नीति के लिए उद्योग मंत्री श्री देवांगन स्वयं अन्य राज्यों का दौरा कर वहां के उद्योग प्रतिनिधियों से मुलाकात कर सुझाव लेंगे। ताकि उन राज्यों के उद्योग नीति के अच्छे और प्रोत्साहन परक अनुदान मांगों पर अध्ययन परीक्षण किया जा सके। अभी हाल ही में मंत्री श्री देवांगन ने नई दिल्ली में आईसीसी के प्रतिनिधियों से नई नीति हेतु विचार विमर्श किया था।

सभी मंत्रीगण और विभागों से भी लिए जाएंगे राय

प्रदेश की नई औद्योगिक नीति के लिए सभी विभागों और मंत्री गणों से विमर्श के पश्चात ही आगे 5 वर्षों के लिए नीति बनाई जाएगी। ताकि नीति में सभी विभागों का समावेश हो और हर सेक्टर में उद्योग लग सके।

सांसद भोज राज नाग भाजयुमो नेता अजेन्द्र साहू ने की सौजन्य मुलाकात

| बालोद

बालोद| विगत दिनों नवनिर्वाचित सांसद भोजराज नाग का बालोद आगमन हुआ. इस दौरान उनकी आभार रैली भी निकली तो जिले भर से भाजपाई उनके स्वागत सम्मान में पहुंचे. इसी क्रम में गुरुर ब्लॉक के भाजयुमो नेता अजेन्द्र साहू ने भी उनसे बीजेपी कार्यालय में सौजन्य मुलाकात कर जीत की बधाई दी. इस दौरान बीजेपी जिला अध्यक्ष पवन साहू सहित अन्य मौजूद रहें.